SOME HON. MEMBERS: Sir, we associate ourselves with the issue raised by the hon. Member.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Yes, the entire House associates itself with this. Now, Shrimati Jharna Das Baidya.

Incident of death of the Reang refugees in a devastating fire at Naishingpara in North Tripura District

श्रीमती झरना दास बैद्य (त्रिपुरा): उपसभापति जी, त्रिपुरा के कंचनपुर जिले के Naishingpara Camp में मिज़ोरम के जो 5,000 रियांग रिफ्यूजीज़ परिवार रहते हैं, उस कैंप में पिछली 20 तारीख 20 मार्च, 2011 को किसी ने आग लगा दी, जिसमें 16 लोग मारे गए, जिनमें 6 महिलाएं और 4 बच्चे शामिल हैं तथा 100 लोग इस अग्निकांड में घायल हुए हैं। बार-बार हमारी सरकार ने मिज़ोरम सरकार के साथ बातचीत की, केन्द्रीय सरकार के साथ भी बातचीत की, लेकिन मिज़ोरम सरकार ने उन लोगों को वापस लेने के लिए कोई प्रयास नहीं किया। ये लोग 1977 से कंचनपुर कैंप में हैं। त्रिपुरा सरकार उनको कुछ रिलीफ देती है और केन्द्रीय सरकार भी कुछ रिलीफ देती है, लेकिन ये लोग ठीक ढंग से यहां रह नहीं पाते हैं। इनमें से कुछ लोग 1998 में वापस मिज़ोरम गए थे, तब उनके ऊपर फिर से आक्रमण हुआ, इसलिए वे लोग वापस त्रिपुरा आ गए। आज इतना बड़ा हादसा वहां हुआ है और वे लोग वहां जी नहीं सकते हैं। मैं मांग करती हूं कि केन्द्रीय सरकार द्वारा मिज़ोरम सरकार को उन्हें वापस लेने के लिए कहा जाए। इस हादसे में जो लोग घायल हुए हैं तथा जो लोग मारे गए हैं, उनके लिए कंपनसेशन दिया जाना चाहिए। केन्द्रीय सरकार ने उनको रिलीफ देने के लिए क्या किया है, इस बारे में हमारे साथ कोई बातचीत नहीं हुई है। केन्द्रीय सरकार को उन्हें कंपनसेशन देना चाहिए तथा मिज़ोरम सरकार से कहना चाहिए कि इन रियांग रिफ्यूजीज़ को वे त्रिपुरा से वापस ले जाएं। वहां ये 5,000 परिवारों के लोग कैसे रह सकते हैं? इन 5,000 परिवारों के लोगों के लिए क्या मिज़ोरम सरकार का कोई दायित्व नहीं है? ये लोग मिज़ोरम के हैं, लेकिन मिज़ोरम इनके लिए कुछ नहीं करता। ये लोग त्रिपुरा में कंचनपुर कैंप में रहते हैं। मैं सरकार से मांग करती हूं कि मिज़ोरम सरकार तुरंत इन रियांग रिफ्यूजीज़ को वापस ले।

MS. MABEL REBELLO (Jharkhand): Sir, I associate myself with the matter raised by Shrimati Jharna Das Baidya.

Attack by NATO forces on Libya

SHRI P. RAJEEVE (Kerala): Sir, I would like to invite the attention of the House to the aggressive attack on Libya by NATO forces led by the United States of America. Sir, I appeal the House to condemn the aerial bombardment by aircraft and ship-based missiles on Libya by the NATO forces. The military strikes by NATO forces comprising of France, Britain and the United States of America are a dangerous act of aggression. The NATO is now repeating what it did in Iraq which led to deaths of millions of people and large-scale destruction.

Already hundreds of people are reported dead in these attacks. Sir, despite the rhetoric about protecting the Libyan people, this act of aggression is a gross violation of Libya's